कृत्रिम सूर्य

स्रोत: इकोनॉमिक टाइम्स

हाल ही में दक्षिण कोरिया के वैज्ञानिकों द्वारा **परमाणु संलयन अनुप्रयोग** में प्लाज़्मा अवस्था में 48 सेकंड के लिये 100 मिलियन डिग्री सेल्सियस के तापमान को बनाए रखते हुए एक **नए विश्व रिकॉर्ड** की घोषणा की। यह **सूर्य की कोर से सात गुना अधिक तापमान** है।

- यह उपलब्धि परमाणु संलयन द्वारा **स्वच्छ ऊर्जा के दोहन हेतु एक महत्त्वपूर्ण मील का पत्थर** है, क्योंकि यह बड़े पैमाने पर सूर्य की कोर के बराबर तापीय ऊर्जा उत्पादित करने की क्षमता को प्रदर्शित करता है।
- **टोकामेक (इंटरनेशनल थर्मोन्यूक्लियर एक्सपेरिमेंटल रिएक्टर (ITER))** वर्ष 1985 में लॉन्च किया गया 35 देशों का एक सहयोगात्मक प्रयास है, जिसमें भारत भी सदस्य है। यह फ्राँस में स्थित है।
    - यह बड़े पैमाने पर **कार्बन-मुक्त ऊर्जा स्रोत के रूप में परमाणु संलयन** की क्षमता को प्रदर्शित करने पर केंद्रित है।

NUCLEAR Fission

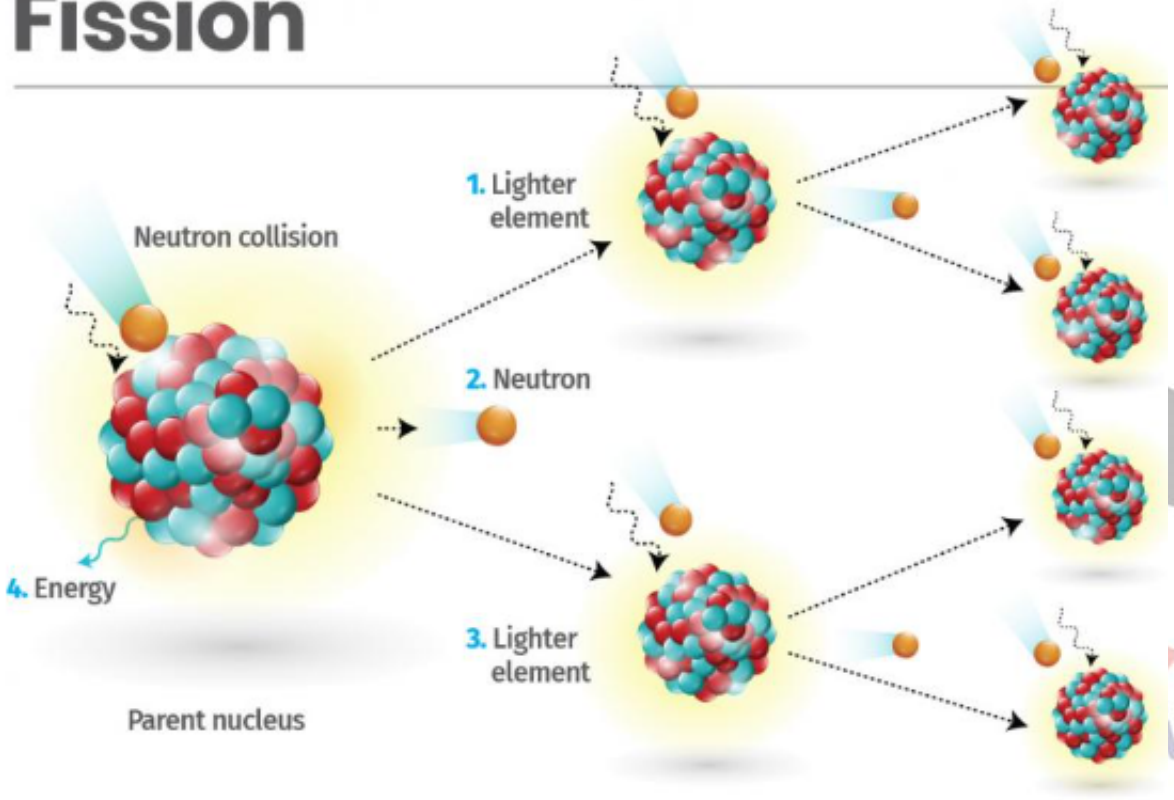

NUCLEAR Fusion

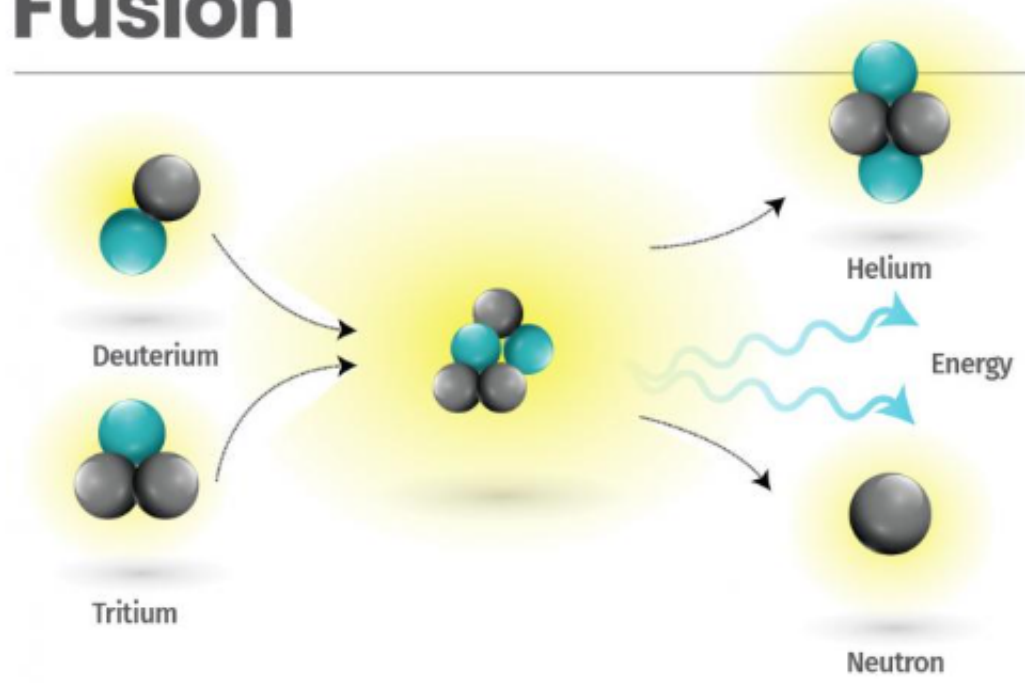

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/artificial-sun-2